खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2016–17

सामान्य

देश के नागरिक ही वस्तुतः देश का सबसे अधिक मूल्यवान संसाधन होते हैं और हमारे विकास की प्रक्रिया नागरिकों के समेकित विकास पर आधारित होनी चाहिये। इस तथ्य के प्रति निरन्तर जागरूकता बढ़ रही है। इस बात को भी अधिक स्वीकारा जाने लगा है कि उन सभी संबंधित साधनों और अभिकरणों को जो इस विकास कार्य में योगदान दे रहे हैं अथवा ऐसा विकास जिनकी जिम्मेदारी है, उनको इकट्ठा कर दिया जाना चाहिये। अतः यह जरूरी है कि एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया जाये तथा विज्ञान और प्रायोगिक कला तथा शिल्प मानसिकी और मानव मूल्यों के विकास को एक सूत्र में पिरो दिया जाये। इस स्थिति को सम्मुख रखते हुये खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा द्वारा खेलों को प्रोत्साहन देते हुये सभी योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं। इन योजनाओं को कार्यान्वित किये जाने का मूल उद्देश्य खिलाड़ियों को अच्छे खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी सुविधा प्रदान करना, आधुनिक ढंग से प्रशिक्षण सेवाएं उपलब्ध करवाना और उन्हें वित्तीय सहायता, नकद ईनाम, छात्रवृतियाँ, पैंशन सुविधाएं प्रदान करके उनकी रूचि खेलों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

वर्ष 2016–17 के दौरान ये सभी योजनाएं विभाग द्वारा कार्यान्वित की गई। ऐसा करने के लिए श्री जगदीप सिंह, आई.ए.एस. निदेशक, खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा, अतिरिक्त निदेशक खेल, संयुक्त निदेशक खेल, उपनिदेशक खेल, सहायक निदेशक योग तथा खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग में कार्यरत अन्य स्टाफ का योगदान वर्णनीय है। विभाग में 1 संयुक्त निदेशक एक्स काडर, 6 उपनिदेशक खेल, 2 सहायक निदेशक (एक्स काडर), 1 सहायक निदेशक (योग) 22 जिला एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी, 142 प्रशिक्षक, 243 जूनियर प्रशिक्षक, 3 सहायक प्रशिक्षक, 11 योग प्रशिक्षक, 20 युवा एवं सांस्कृतिक संयोजक, 1 स्थापना अधिकारी, 1 बजट एवं आयोजना अधिकारी, 6 अधीक्षक, 15 उपाधीक्षक, 32 सहायक नियुक्त थे। विभाग की गतिविधियों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से हैः–

1. वृद्धावस्था पैंशन योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत हरियाणा निवासी, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय तथा ओलम्पिक स्तर के वैटरन खिलाड़ियों को जो 60 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के हैं तथा जिनकी वार्षिक आय 25000/–

रूपये तक हो, उनकी खेल उपलब्धियों के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता के लिए 300/– रूपये व पदक विजेता को 500/– रूपये, अन्तराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए 700/– रूपये मासिक की दर से वृद्वावस्था पैंशन के रूप में दिये जाने की व्यवस्था है ताकि उनकी जीवन सन्ध्या को अधिक सुखद बनाया जा सके। इस योजना में इस वर्ष 2016–17 के दौरान 1 खिलाड़ी को लाभान्वित किया गया, जिस पर 3600 रूपये की राशि खर्च की गई।

2. खेल नर्सरी योजनाः

यह विभाग की बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है जिसे वर्ष 1989 से शुरू किय गया हैं जिसके अन्तर्गत राज्य में एथलैटिक्स, जिम्नास्टिक, कुश्ती, वालीबाल, क्रिकेट, हॉकी तथा जूडो खेलों की नर्सरियों की स्थापना की गई। यहां पर प्रशिक्षण के अतिरिक्त खिलाड़ियों को निःषुल्क शिक्षा भी स्थानीय संस्थाओं के माध्यम से प्रदान की जाती है। इन खेल नसरीज़ में छोटी आयु वर्ग के (8 से 12 वर्ष के जिम्नास्टिक में तथा दूसरे खेलों में 10–14 वर्ष के) खिलाड़ी दाखिल किये जाते हैं। वर्ष 2016–17 में इन खेल नर्सरीज पर 31.68 लाख रूपये की राशि व्यय की गई है। रिहायशी नर्सरियों में खिलाड़ियों को 150/– रूपये प्रतिदिन प्रति खिलाड़ी की दर से मुफ्त खाना व रिहायश दी जाती है। प्रशिक्षण के अतिरिक्त 50/– रूपये प्रति खिलाड़ी प्रति मास जेब खर्च दिया जाता है तथा डे बोर्डिंग नर्सरियों में खिलाड़ियों को 1500/–(आयु 8–14वर्ष) तथा 2000/– रूपये (आयु 15–19वर्ष) प्रतिमास की दर से छत्रवृत्ति दी जाती है।

3. योग केन्द्र योजनाः

योग पद्धति का भारतीय संस्कृति के साथ प्राचीन काल से अटूट सम्बन्ध रहा है। योग एक ऐसा साधन है जिसके द्वारा मानव के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक स्तर में एक ऐसाा सामंजस्य स्थापित होता है जिससे वह सदैव स्वस्थ, दीर्घायु और प्रसन्नचित रहता है। खिलाड़ियों के लिए योगा का विशेष महत्व है क्योंकि इससे उनका शारीरिक और मानसिक संतुलन बना रहता है। जिससे वे खेल प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये उच्च उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं। दिनांक 1/8/16 से 11/8/16 तथा 19/8/16 को सभी जिलो में योग प्रषिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। कैथल में 28 फरवरी से 2 मार्च 2017 तक आयोजित अंतर केन्द्र योग प्रतियोगिता में 450 खिलाड़ी भाग लेने के लिए आए। हर जिले में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन

करवाया गया। इस योजना में वर्ष 2016–17 के दौरान 8.50 लाख रूपये की धनराशि योग गतिविधियाँ आयोजित करवाने पर व्यय की गई।

4. खेल पुस्तकालयः

प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों को खेलों से संबंधित हर प्रकार की जानकारी देने के लिए उन्हें बदलते नियमों के बारे में सम्पूर्ण सूचना उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के पुस्तकालय में विभिन्न खेलों की 5700 पुस्तकें उपलब्ध हैं। ओलम्पिक तथा एशियन खेलों के सम्पूर्ण रिकार्ड भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं जो प्रशिक्षकों एंव अधिकारियों के लिए लाभप्रद हैं। पुस्तकालय में समाचार पत्रों तथा मैगजीनों की भी खरीद की जाती है। प्रशिक्षकों खिलाड़ियों के लिए खेलों के राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय मैगजीन भी खरीदे जाते हैं ताकि वे राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय खेलों की अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें। सभी ज़िला स्तरीय कार्यालयों में प्रशिक्षकों तथा खिलाड़ियों के प्रयोग हेतु पुस्तकें भिजवाई जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत पुस्तकें, अखबार तथा मैगज़ीन खरीदने पर 6.00 लाख रूपये की राशि व्यय हुई।

5. सिविल सेवा प्रतियोगिता योजनाः

सरकारी अधिकारियों तथा कर्मचारियों में खेलों के प्रति रूचि पैदा करने एंव शारीरिक रूप से हृष्ट पुष्ट रखने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा सिविल सेवा खेल नियंत्रक बोर्ड स्थापित किया गया है जिसके अन्तर्गत विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं जिसमें हरियाणा की टीमें भी भाग लने के लिये भेजी जाती हैं। इस वर्ष राज्य स्तरीय सिविल सेवा प्रतियोगिता 16/11/16 से 18/11/16 तक पंचकूला, अंबाला तथा सोनीपत में आयोजित की गई। अखिल भारतीय सिविल सेवा प्रतियोगिता दिनांक 16/2/17 से 18/2/17 तक रोहतक में आयोजित करवाई गई। जिसमें 415 खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा 4.50 लाख रूपये की राशि व्यय हुई।

6. मानव संसाधन विकास योजनाः

राज्य में खेलों के बढ़ावा देने एवं राज्य के खिलाड़ियों/नागरिकों को स्पर्धा का अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तरों पर खेल मुकाबले भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली की योजना के अन्तर्गत करवाये जाते हैं तथा जिला अखाड़ा कुश्ती/जिला कुमार केसरी दंगल और राज्य अखाड़ा कुश्ती तथा हरियाण कुमार, हरियाणा केसरी दंगल को आयोजन भी किया जाता है। सभी खेलों में

राज्य स्तरीय अंतर केन्द्र प्रतियोगिताएं 2 अक्तूबर को रन फार फन, राज्य स्तरीय पैरालिंपिक प्रतियोगिता तथा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष राज्य स्तर पर लड़के–लड़कियों की हाकी प्रतियोगिता करवाई जाती है।

वर्ष 2016–17 में मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत 2705.27 लाख रूपये की राशि व्यय की गई।

7. प्रशिक्षण शिविर योजनाः

प्रशिक्षण का खेलों की प्रगति में महत्वपूर्ण स्थान है। इस योजना के अंतर्गत खेलों के विकास के दृष्टिगत विभाग द्वारा राज्य में विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये हुये हैं। यहां पर प्रातः तथा सांय विभाग के निपुण प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को सघन प्रशिक्षण देने के लिये, राज्य की टीमों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से पूर्व प्रशिक्षण शिविर भी लगाये जाते हैं, जिनमें प्रशिक्षण के अतिरिक्त 150/– रूपये प्रतिदिन प्रति खिलाड़ी की दर से खुराक दी जाती है। स्थानीय खिलाड़ियों के अतिरिक्त अन्य खिलाड़ियों को आवास की भी निःशुल्क सुविधा दी जाती है ताकि खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य की ओर से अच्छा प्रदर्शन कर सकें। वर्ष 2016–17 में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पूर्व 13 प्रषिक्षण षिविर लगाये गये। इस योजना में 6.19 लाख रूपये की राषि व्यय की गई।

8. इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण तथा जिला स्तर पर खेलों से संबंधित निमार्ण कार्य हेतु राज्य सरकार द्वारा 90% अनुदान दिया जाता है बाकी 10% खर्चा संबंधित ग्राम पंचायत वहन करती है। इसके अतिरिक्त स्टेडियमों/तरणताल, जिम्नेजियम हाल तथा अन्य किसी प्रकार की मुरम्मत रखरखाव हेतु भी अनुदान दिया जाता है वर्ष 2016–17 में इस योजना में कुल 5.00 करोड़ रूपये की राशि व्यय हुई।

(i) मेन्टेनैंस ऑफ प्लेफील्ड योजना

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में स्थापित खेल स्टेडियम खेल मैदानों की देखभाल हेतु सभी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों को 18.95 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई।

(ii) एस.सी. कम्पोनैंट योजना के अंतर्गत 622.39 लाख रूपये की राशि स्टेडियम के निर्माण हेतु खर्च की गई।

9. नई प्रशिक्षण योजनाः

वर्ष 2016–17 में इस योजना के अन्तर्गत 1269.27 लाख रूपये का प्रावधान किया गया। यह राशि अधिकारियों तथा कर्मचारियों को वेतन आदि देने पर खर्च की गई।

10. युवा गतिविधियों संबंधी योजनाएं:

विभागीय युवा शाखा द्वारा निम्न योनजाएं कार्यान्वित की जा रही हैं:–

1.	नेहरू युवा केन्द्र नान प्लान	2.	चेतन संघः नान प्लान
3.	युवा विकास योजना प्लान	4.	युवा विकास योजना (Grant in aid)

विभागीय नेहरू केन्द्र नॉन प्लान तथा चेतना संघ नान प्लान योजनाओं में विभाग में कार्यरत कुछ अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन का प्रावधान किया गया है और कुछ राशि युवा गतिविधियों को चलाने के लिये ओ.सी. (अन्य खर्चा) मद में भी दी गई है। अन्य योजनाओं में जो भी राशि बजट के रूप में दी जाती है वह सब युवा गतिविधियों के लिए ही प्रयोग की जाती है। इस प्रकार विभागीय युवा शाखा द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के अन्तर्गत राज्य के 13 से 35 वर्ष की आयु वर्ग युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य में सांस्कृतिक ,साहसिक, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं अन्य युवा कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन प्रति वर्ष करवाया जाता है। इसके अतिरिक्त राज्य में युवा दिवस तथा युवा सप्ताह भी आयोजित किए जाते हैं। राज्य स्तर पर 5 सर्वोतम युवाओं को 20–20 हजार रूपये तथा सर्वोंतम युवा क्लब को 40 हजार रूपए का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है तथा जिला स्तर पर सर्वोंत्तम युवाओं 10–10 हजार रूपए व सर्वोतम युवा क्लबों को 15–15 हजार रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन गतिविधियों पर वर्ष 2016–17 में 186. 95 लाख रूपये की राशि व्यय रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन गतिविधियों पर वर्ष 2016–17 में 186.95 लाख रूपये की राशि व्यय की गई। 12–16 जनवरी 2017 तक रोहतक में

राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन करवाया गया। जिसमें हरियाणा के युवाओं ने 4 स्वर्ण 3 रजत तथा 1 कास्य पदक प्राप्त किया। राज्य स्तर पर पुरस्कार पाने वाले युवाओं तथा युवा क्लबों की सूची अनुलग्नक '**ग**' पर है।

11 खेल पुरस्कार तथा प्रोत्साहन योजनाः

i) नकद ईनाम योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत/अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद ईनाम देकर प्रोत्साहित किया जाता है। यह पुरस्कार 7000/– रूपये से लेकर 6.00 करोड़ रूपये की राशि तक खिलाड़ियों को उनकी गत वर्ष की खेल उपलब्धियों के अनुसार दिया जाता है। वर्ष 2016–17 में 3738.00 लाख रूपये की नकद राशि ईनाम के रूप में राज्य के 1829 खिलाड़ियों को वितरित की गई।

ii) भीम पुरस्कार योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत हरियाणा राज्य के उन उत्कृष्ट खिलाड़ियों को भीम पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओ में देश/राज्य का नाम रोशन किया। ईनाम के तौर पर खिलाड़ी को 5.00 लाख रूपये नकद, भीम की एक प्रतिमा तथा एक स्क्रोल ऑफ ऑनर, एक ब्लेज़र, एक टाई देकर सम्मानित किया जाता है। 2016–17 में 11 खिलाड़ियों को भीम पुरस्कार प्रदान किया गया। जिसकी सूची अनुलग्नक **'घ'** पर उपलब्ध है।

iii) छात्रवृति योजनाः

वर्ष 2016–17 में 25.40 लाख रूपये की राशि स्कूलों व कालेजों में पढ़ने वाले खिलाड़ियों को उनकी सराहनीय उपलब्धियाँ के लिए वितरित की गई। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले स्कूली खिलाड़ियों को 2400/– रूपए व 1800/– रूपए तथा कालेजों के खिलाड़ियों को 3000/– रूपए व 2400/– रूपए वार्षिक छात्रवृति प्रदान की गई। जिससे 1513 खिलाड़ी लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति के 2009 खिलाड़ियों को 626.94 लाख रूपए की छात्रवृतियां दी गईं।

iii) स्टाईफण्ड योजनाः

स्टाईफण्ड योजना के अंतर्गत उन खिलाड़ियों को 3000 रूपये प्रति खिलाड़ी की दर से स्टाईफण्ड दिया जाता है जो भारतीय खेल प्राधिकरण के खेल संस्थानों में प्रशिक्षक का कोर्स कर रहे हैं तथा वर्ष 2016–17 में 8 खिलाड़ियों को स्टाईफ़ण्ड दिया गया।

iv) अर्जुन तथा द्रोणाचार्य अवार्ड विजेताओं को मानदेयः

विभाग द्वारा अर्जुन, द्रोणाचार्य तथा ध्यानचन्द पुरस्कार विजेताओं को 5000/– रूपये प्रतिमास देने की नई योजना अप्रैल 2010 शुरू की गई। वर्ष 2016–17 में 93 ऐसे विजेतओं को मानदेय दिया गया । जिस पर 54.90 लाख रूपए की राशि व्यय हुई। अर्जुन पुरस्कार, भीम पुरस्कार विजेता , ओलंपियन, एशियन तथा राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को हरियाणा रोडवेज की डीलक्स बसों में निःशुल्क बस यात्रा सुविधा भी दी जाती है।

12. मास पॉपुलराईज़ेशन

इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण स्कूलों में खेलों का सामान, प्रशिक्षण की सुविधा तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं/गतिविधियों जैसे रन फार फन, मैराथन इत्यादि का आयोजन किया जाता है। इस योजना में कुल 29.70 लाख रूपए खर्च हुए।

13 जिम्नास्टिक योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में स्थापित सभी जिम्नास्टिक केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों के लिए अन्तर केन्द्र खेल मुकाबले आयोजित करवाये जाते हैं। वर्ष 2016–17 में लड़कियों तथा लड़कों के मुकाबले कुरूक्षेत्र तथा अंबाला में आयोजित करवाये गये तथा इन मुकाबलों पर 8.60 लाख रूपये की राशि खर्च हुए। इन मुकाबलों में राज्य के सभी जिलों से 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

14 गहन प्रशिक्षण योजनाः

इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2015–16 में 1.48 लाख रूपये की राशि व्यय हुई

15 खेलो इण्डिया योजनाः

भारत सरकार की खेलो इण्डिया योजना वर्ष 2016–17 में आरम्भ की गई। खेलो इण्डिया योजना 100% भारत सरकार की योजना है। इस योजना के अन्तर्गत अण्डर–14 व अण्डर–17 वर्ग में लडके लडकियों की प्रतियोगिता के आयोजन का प्रावधान है। वर्ष 2016–17 में इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा ग्रान्ट जारी ना करने के कारण ब्लाक जिला राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन नहीं करवाया गया। खेलों इण्डिया योजना के दिशा निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में राज्य के 10 खेलों के खिलाड़ियों का ट्रायल के आधार पर चयन किया गयां। राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों का 10–10 दिन का भिन्न–2 स्थानों पर प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियों को निःशुल्क रिहायष, भोजन व खेल किट इत्यादि सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। इस दौरान 13,57,088 रूपये की राशि विभागीय योजना 56 HRD प्लान से वहन की गई । राज्य के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 22 स्वर्ण 18 रजत तथा 12 कांस्य पदक प्राप्त किये गए। खेलो इण्डिया योजना के अन्तर्गत खेल बुनियादी ढांचे (USIS) योजना में खेल सुविधाओं के निर्माण का प्रावधान किया गया है।

16 खेल स्कूल राईः

मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल राई की स्थापना जुलाई 1973 में तथा इसकी कनिष्ठ शाखा कमला नेहरू स्कूल की स्थापना 1974 में, हरियाणा में प्रतिभा सम्पन्न विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ साथ आधुनिक पद्धति एवं गुणवत्ता पर आधारित खेलों की विशेष सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई। यह ऐसा विद्यालय है जो कि आई.पी.एस .सी (इंडियन पब्लिक स्कूल कान्फ्रैंस) तथा एन. पी. एस. सी नैषनल प्रोग्रेसिव स्कूल कान्फ्रैंस का सदस्य है वर्ष 2013–15 तक विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र द्वारा'' 'चेंज मेकर श्रेणीं' मे प्रथम स्थान प्राप्त कर **''Green School Award''** अर्जित किया है। एजुकेशन वर्ल्ड इंड़िया स्कूल रैकिंग में वर्ष 2011–16 में खेल शिक्षा के लिए आवासीय विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस विद्यालय में प्रवेश केवल योग्यता के आधार पर होता है, जिसका प्रशिक्षण दो स्तरों पर एक कमेटी द्वारा किया जाता है। स्कूल का स्टाफ उच्च शिक्षा प्राप्त एवं अपने कार्य के लिए समर्पित

है और स्कूल का सारा प्रबन्ध एक विशेष बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसका चयन हरियाणा सरकार करती है, और महामहिम राज्यपाल हरियाणा, बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

इस विद्यालय का सारा खर्च हरियाणा सरकार वहन करती है और सभी बच्चे छात्रावास में रहते हैं विद्यालय में खेलों के मैदान, आडिटोरियम, तरणताल, अस्पताल व 400 मीटर ट्रैक तथा हाकी के कृत्रिम घास के मैदान तथा स्कवॉश कोर्ट की सुविधाएं प्राप्त हैं। अत्याधुनिक 50 मीटर राईफल शूटिंग रेंज, मल्टीपरपज, हॉल, क्रिकेट पैविलियन, अष्वारोहण तथा टैनिस कोर्ट की सुविधाएं भी विद्यालय मे ंउपलब्ध है।

यह विद्यालय शेरशाह सूरी मार्ग पर दिल्ली से अंबाला जाने वाली सड़क पर स्थित है और इसका प्रांगण लगभग 300 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। खेल व पढ़ाई की सुविधाओं के अतिरिक्त बच्चों के फोटोग्राफी धातुकला, चित्रकला, कास्तकला, आदि के माध्यमों द्वारा अपने शौक पूरे करने की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त संगीत, नृत्य, बैंड, टाईप–राईटिंग, बेकिंग, भाषण प्रतियोगिता और रंगमंचीय सुविधाएं भी प्राप्त है। इन सुविधाओं द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्न किया जाता है, ताकि मैडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग तथा एन.डी.ए. आदि में प्रवेश पाने के योग्य हो सकें और यहां से शिक्षा पाने के बाद वे किसी भी महाविद्यालय में आसानी से प्रवेश पा सकें।

यह स्कूल केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से संबद्ध है और इसमें अंग्रेजी माध्यम द्वारा शिक्षा दी जाती है परन्तु हिन्दी शिक्षण पर भी विशेष बल दिया जाता है। अधिकतम प्रवेश चौथी कक्षा से ही दिए जाते है। और बच्चे को जिस साल प्रवेश लेना हो उस समय बच्चे की आयु 8 से 10 साल के बीच होनी चाहिए। इस वर्ष 82 छात्रों के दाखिले किए गए। कक्षा IV से XII तक 905 विद्यार्थी स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जो बच्चे शारीरिक परीक्षण पास कर लेते है उन्हें लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाता है। शारीरिक परीक्षण बहुत ही सावधानी से बनाया गया है ताकि बच्चों की खेल अभिरूचि को जांचा जा सके। जो विद्यार्थी लिखित परीक्षा में पास हो जाते हैं, केवल उन्हें ही साक्षात्कार व चिकित्सा परीक्षण के लिए बुलाया जाता है।

नई कक्षा का आरभ अप्रैल महीने से हो जाता है। 80 प्रतिशत सीटें हरियाणा के स्थाई निवासियों के लिए सुरिक्षत हैं। हरियाणा सरकार की पॉलिसी एवं शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत आठवीं कक्षा तक किसी विद्यार्थी से टयूशन फ़ीस नहीं ली जाती।

चौकसी विभाग की रिपोर्टः

वर्ष 2016–17 में चौकसी विभाग को भिजवाए गए केसों की रिपोर्ट शून्य रही।

अनुलग्नक–क

खेल कैलेण्डर वर्ष 2016–2017

क्र. सं.	प्रतियोगिता का नाम	आयोजन तिथि	आयोजन स्थल
1.	राज्य स्तरीय u-19 तैराकी प्रतियोगिता	13/07/16 से 15/07/16	खेल स्कूल राई (सोनीपत)
2.	मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस 29 अगस्त को रन फ़ार फ़न	29/08/2016	राज्य के समस्त जिला मुख्यालयों पर
3.	जिला स्तरीय पैरालिम्पिक प्रतियोगिता	01/09/16 से 2/09/16	समस्त जिला मुख्यालय
4.	बाल्मीकि जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय तीरंदाज़ी प्रतियोगिता	15/10/16 से 16/10/16	फ़रीदाबाद
5.	राज्य अन्तर केन्द्र जिम्नास्टिक प्रतियोगिता (लड़कियां)	03/11/16 से 05/11/16	अम्बाला
6.	स्वर्ण जयंती राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता	07/11/16 से 09/11/16	करनाल
7.	राज्य अन्तर केन्द्र जिम्नास्टिक प्रतियोगिता (लड़के)	16/11/16 से 18/11/16	कुरूक्षेत्र
8.	राज्य स्तरीय मैराथन बसंत पंचमी पर	01/02/17	नरवाना जिला जींद
9.	पंडित दीनदयाल उपाध्याय मैमोरियल ऑल इण्डिया कबडडी प्रतियोगिता	09/02/17 से 11/02/17	सेनीपत
10.	राज्य अन्तर केन्द्र योग प्रतियोगिता	28/02/17 से 02/03/17	कैथल
11.	जिला अखाड़ा/जिला कुमार तथा केसरी दंगल	04/03/17 से 05/03/17	समस्त जिला मुख्यालय
12.	State Paralympic Sports competition for Physically Challenged persons	15/03/17 से 17/03/17	पंचकूला
13.	राज्य स्तरीय अखाड़ा कुमार तथा केसरी दंगल प्रतियोगिता	15/03/17 से 17/3/17	जीन्द
14.	भारत केसरी दंगल	21/03/17 से 23/3/17	अम्बाला

अनुलग्नक–ख

युवा कार्यक्रम गतिविधियों को कलैण्डर 2016–17

क. सं0	गतिविधियों का नाम	आयोजन की तिथि	स्थान	लाभर्थियों की संख्या
1.	रिवर रॉफटिंग	11/05/16 से 30/05/16	कोडियाला (उतराखंड)	172 लड़के/लड़कियाँ
2.	पर्वतारोहण (बेसिक कोर्स)	मई 2016	नारकंडा (षिमला)	168 लड़के/लड़कियाँ
3.	पर्वतारोहण (high altitude)	मई 2016	मनाली	126 लड़के/लड़कियाँ
4.	ज़िला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यषाला	01/06/16 से 10/06/16	समस्त जिलों में	1050 लड़के/लड़कियाँ
5.	स्वर्ण जयंती जिला स्तरीय युवा उत्सव	नवंबर 2016	समस्त जिलों में	6300 लड़के/लड़कियाँ
6.	स्वर्ण जयंती राज्य स्तरीय युवा उत्सव	3–5 जनवरी 2017	अंबाला	850 प्रतिभागी
7.	राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता	12–16 जनवरी	रोहतक	
8.	एडवैंचर प्रोग्राम	21–27 मार्च 2017	पंचमढ़ी	84

अनुलगनक ग

राज्य स्तर पर पुरस्कार पाने वाले सर्वश्रेष्ठ युवाओं की सूचि वर्ष 2016-b

क्र. सं	युवा का नाम	जिला	राशि
1	श्री अमित कुमार सुपुत्र श्री सुभाष चन्द्र, वी.पी.ओ गेबीपुर बरवाला, हिसार	हिसार	20000/–
2	श्री विवेक यादव सुपुत्र श्री हेमन्त कुमार यादव, 3126/23 कम्पी बाग, रेवाड़ी	रेवाडी	20000/–
3	श्री सुनील कुमार सुपुत्र श्री बजरंग लाल गांव बसई, नारनौल	नारनौल	20000/–

राज्य स्तर पर पुरस्कार पाने वाला सर्वश्रेष्ठ युवा क्लब वर्ष 2016–17

1	सोसायटी फार एजुकेषन एण्ड वैलफेयर एक्टिविटीज़, नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ	40,000

अनुलग्नक–घ

भीम अवार्डी खिलाड़ियों की सूची वर्ष 2016–17

क्रसं.	नाम	खेल का नाम	जिला का नाम
1.	अंकुर मलिक	षूटिंग	सोनीपत
2.	साक्षी मलिक	कुश्ती 58 कि.ग्रा	रोहतक
3.	संदीप कुमार	एथलैटिक्स	नारनौल
4.	सौरव	ताइक्वांडो	सोनीपत
5.	पंकज	साइकलिग	कुरूक्षेत्र
6.	मीना कुमारी	षूटिंग	फ़रीदाबाद
7.	रितु	हैण्डबाल	जींद
8.	गौरी ष्योराण	षूटिंग	पंचकूला
9.	विष्वजीत सिंह	षूटिंग	पंचकूला
10.	जयदीप	पैरा एथलैटिक्स	रोहतक
11.	रनवीर सिंह सैनी	गोल्फ	गुरुग्राम

अनुलग्नक–च

रियो ओलम्पिक 2016 पदक विजेता खिलाड़ियों की सूची

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल	पदक विवरण
1	साक्षी मलिक	कुश्ती 58 कि.ग्रा	कांस्य
2	दीपा मलिक	पैरा एथलैटिक्स	रजत